

سُورَةُ التَّكْوِيْنِ

Surah 102 — At-Takaathur (Competition) · Meccan · 8 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ أَلْهَكُمُ التَّكَاثُرُ

कुल व माल की बहुतायत ने तुम लोगों को शाफ़िल रखा

2

حَتَّى زُرْتُمُ الْمَقَابِرَ

यहाँ तक कि तुम लोगों ने कब्रें देखी (मर गए)

3

كَلَّا سَوْفَ تَعْلَمُونَ

देखो तुमको अनक़रीब ही मालूम हो जाएगा

4

ثُمَّ كَلَّا سَوْفَ تَعْلَمُونَ

फिर देखो तुम्हें अनक़रीब ही मालूम हो जाएगा

5

كَلَّا لَوْ تَعْلَمُونَ عِلْمَ الْيَقِينِ

देखो अगर तुमको यकीनी तौर पर मालूम होता (तो हरगिज़ शाफ़िल न होते)

6

لَتَرَوُنَّ الْجَحِيمَ

तुम लोग ज़रूर दोज़ख़ को देखोगे

7

ثُمَّ لَتَرَوُنَّهَا عَيْنَ الْيَقِينِ

फिर तुम लोग यकीनी देखना देखोगे

ثُمَّ لَتُسْأَلُنَّ يَوْمَئِذٍ عَنِ النَّعِيمِ

फिर तुमसे नेअमती के बारे ज़रूर बाज़ पुर्स की जाएगी